

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रतापारम्भ

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३६५] नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर ७, १९७०/अश्विन १५, १८९२

No. 365] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 7, 1970/ASVINA 15, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE

(Department of Internal Trade)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th October 1970

S.O. 3314.—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Kanpur Oils and Oilseeds Exchange Ltd., Kanpur, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year from the 10th October, 1970 to the 9th October, 1971 both days inclusive, in respect of forward contracts in linseed.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[No. 12(11)-I.T./70.]

R. K. TALWAR, [†] Secy.

प्रौद्योगिक विकास तथा आंतरिक व्यापार मंत्रालय

(आंतरिक व्यापार विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1970

क्रा० आ० 3314—केन्द्रीय सरकार, कानपुर आयल एण्ड आयस सीड्स एक्सचेंज लि० कानपुर द्वारा मान्यता के पुनर्नवीकरण के लिए अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन दिए गए आवेदन पर, बायदा बाजार आयोग से परामर्श करके, विचार कर लेने पर, और अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संगम को अलसी की अग्रिम संविदाओं की वाकत 10 अक्टूबर, 1970 से लेकर 9 अक्टूबर, 1971 तक, जिसमें ये दोनों दिन सम्मिलित हैं, एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन है कि उक्त संगम बायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले निदेशों का अनुपालन करेगा।

[स 12(II)-आई०टी०/70]

आ० आ० के० लक्ष्मी, मधुस्त, निदेशक।